मार्कण्डेय की कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना

(विशेष सन्दर्भ : किसान, दलित और स्त्री)

डॉ. रजनीश कुमार यादव

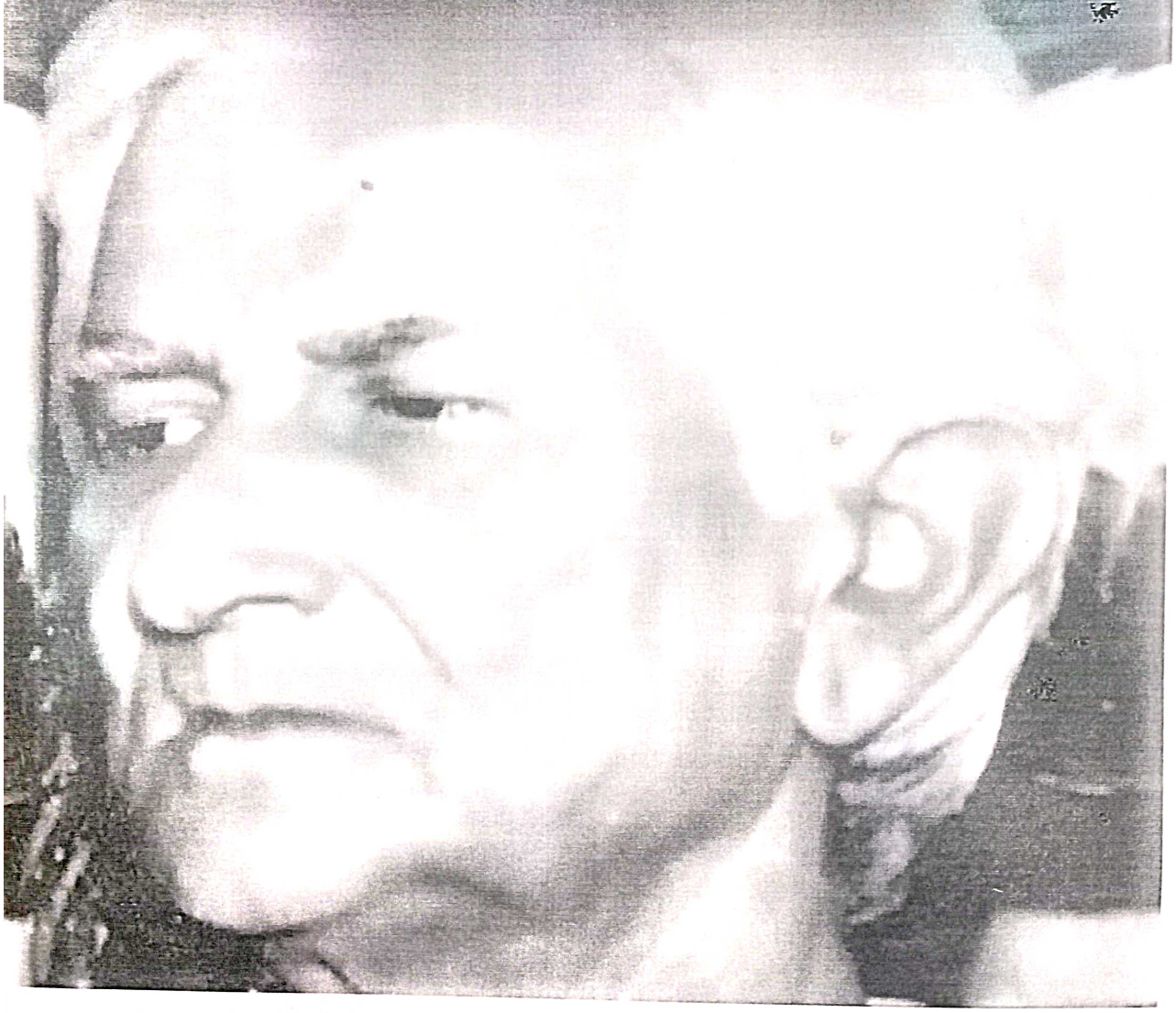

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश की, फोटोकॉपी एवं रिकॉर्डिंग सहित इलेक्ट्रोनिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुर्नप्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

मूल्य : ₹ 251/-

© डॉ.रजनीश कुमार यादव

पहला संस्करण : 2020

प्रकाशक : ब्राउन बुक पब्लिकेशन्स प्रा. लि.
अपोजिट बलाइन्ड स्कूल, किला रोड
शमशाद मार्केट, अलीगढ़-202001

वेबसाइट : www.brownbooks.in
ई-मेल : brownbookpublications@gmail.com

Markandey ki kahaniyon mein
abhivyakt samajik chetna.
by Dr. Rajneesh kumar Yadav

ISBN: 978-93-90167-29-6

मार्कण्डेय की कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना

(विशेष सन्दर्भ : किसान, दलित और स्त्री)

डॉ.रजनीश कुमार यादव

- मार्कण्डेय की कहानियों में अभिव्यक्त किसान जीवन का यथार्थ 247
  रजनीश कुमार यादव
- सातवें दशक की हिन्दी कविता में आम आदमी का चित्रण 255
  सन्तोष विश्नोई
- राधेश्याम कथावाचक कृत 'वीर अभिमन्यु' में राष्ट्रीय चेतना 260
  डॉ० ओम नरायन राय
- संत काव्य में लोक चेतना 262
  अनोश कुमार
- श्री विष्णुकान्त शुक्ल के ललित निबन्धों में जीवन-मूल्य 266
  शोभा भारद्वाज
- वाल्मीकीय रामायण एवं सेतुबन्धम् महाकव्य में महत्त्वपूर्ण वैषम्य 271
  डॉ. आलोक मिश्र
- महाकवि भारवि की 'श्री' साधना 274
  संदीप कुमार यादव
- शैली विज्ञान और भारतीय काव्यशास्त्र 278
  अविचल गौतम
- उत्तररामचरितम् के वस्तु वैचित्र्य का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव 284
  किरन वर्मा
- डॉ. श्याम सुंदर दास का व्याकरणिक एवं भाषा वैज्ञानिक चिंतन 288
  विक्रम गुप्ता
- कुमारसम्भव में कालिदास का प्रकृति-चित्रण 293
  अशोक कुमार वर्मा
- दुर्योधन का सुशासन एवं उसकी प्रासङ्गिकता 296
  (किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर)
  राजीव मिश्र
- दलित आत्मकथाओं में दलित चेतना 300
  रेखा सैनी
- 'मछुआरे' उपन्यास में अभिव्यक्त मछुआ जीवन 305
  स्वीटी यादव